ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 22-09-2026

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-09-22 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-09-23	2026-09-24	2026-09-25	2026-09-26	2026-09-27
वर्षा (मिमी)	0.4	0.8	14.0	16.0	60.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	25.0	24.0	23.0	21.0
न्यूनतम तापमान(से.)	18.0	17.3	17.0	18.0	18.5
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	87	87	95	96	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	52	53	62	73	70
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	6	5	23	30
पवन दिशा (डिग्री)	38	320	37	300	280
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	3	4	6
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	बहुत भारी बारिश; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में इस इलाके में 1-60 मिमी तक हल्की से भारी बारिश होने की उम्मीद है, और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 21-25°C और 17-19°C रहने का अनुमान है। हवाएं उत्तर-पूर्व-उत्तर, उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-उत्तर और उत्तर-पश्चिम-पश्चिम दिशाओं से 4-30 किमी प्रति घंटा की रफ़्तार से चलने की संभावना है। 22, 23 और 24 सितंबर के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, जबकि 25 सितंबर के लिए आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज़ हवाओं और ज़मीन के पास तेज़ हवाओं को लेकर 'येलो वॉर्निंग' जारी की गई है; और 26 सितंबर के लिए बहुत भारी बारिश, आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज़ हवाओं और ज़मीन के पास तेज़ हवाओं के लिए चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई चेतावनी नहीं

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

हफ़्ते की शुरुआत में कोई खास असर नहीं होगा, लेकिन बाद में भारी बारिश की संभावना है। इसलिए फ़सलों में जल-निकासी की उचित व्यवस्था रखें और सिंचाई न करें, क्योंकि इससे फ़सलें गिर सकती हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान और उनसे जुड़े लोग मौसम की नियमित जानकारी, बारिश के अलर्ट और फसल से जुड़ी सलाह पाने के लिए “मौसम” और "मेघदूत" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। बिजली गिरने से जुड़ी जानकारी के लिए "दामिनी" ऐप भी उपलब्ध है। मेघदूत और मौसम ऐप अब क्राउडसोर्सिंग का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे आईएमडी को किसानों से डेटा इकट्ठा करने और मौसम का अनुमान लगाने व खेती के कामों में इसके इस्तेमाल को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इन सभी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र्स के लिए) और एप्प सेंटर (आईओएस यूज़र्स के लिए) से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। लंबे समय के अनुमान के मुताबिक, 18.09.2026 से 24.09.2026 के दौरान बारिश में काफी कमी और अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है। एनडीवीआई वैल्यू से ज़िले में खेती की स्थिति अच्छी से बहुत अच्छी होने का पता चलता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुमान के मुताबिक, हफ़्ते की शुरुआत के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, इसलिए इस दौरान केमिकल स्प्रे का काम किया जा सकता है; लेकिन हफ़्ते के बाद के दिनों में भारी बारिश की संभावना है, इसल

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की फसल में बीमारी या कीट लगने का खतरा रहता है, इसलिए फसल में इन्हें कंट्रोल करने के लिए केमिकल का छिड़काव करना चाहिए। तेज़ हवा में केमिकल का छिड़काव नहीं करना चाहिए और कटाई के बाद पकी हुई धान की किस्मों को स्टोर करने से पहले अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए। कटी हुई फसल को सुखा लेना चाहिए; बाद के हफ़्ते में बारिश के कारण केमिकल के इस्तेमाल में रुकावट आ सकती है, इसलिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें। सिंचाई करने से बचें।
मक्का	ऊंचे पहाड़ी इलाकों में फसल की ठीक से निगरानी करें और भुट्टे बनने के समय मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए हल्का पानी दें। ब्लाइट (झुलसा रोग) को नियंत्रित करने के लिए मैन्कोज़ेब या ज़िनेब 75 डब्लूपी का केमिकल स्प्रे करें; इसके लिए 1.5-2.0 किलोग्राम दवा को प्रति हेक्टेयर 750-800 लीटर पानी में मिलाएं और दूसरा स्प्रे 10-15 दिनों के अंतराल पर किया जा सकता है। केमिकल का छिड़काव साफ़ मौसम में करें और तेज़ हवा चलने पर इससे बचें। मक्के की जल्दी पकने वाली किस्मों की कटाई करें और स्टोर करने से पहले उन्हें अच्छी तरह सुखा लें। कटी हुई फसल को छाया में रखें और पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें। बाद के हफ़्ते में सिंचाई करने से बचें।
रागी	देर से पकने वाली बाजरे की किस्मों में फसल पर नज़र रखें क्योंकि तना छेदक कीट फसल को नुकसान पहुँचाता है। इससे बचाव के लिए साफ़ मौसम में प्रभावित हिस्से पर केमिकल का छिड़काव करें और तेज़ हवा होने पर छिड़काव न करें। पक चुकी बाजरे की किस्मों की कटाई करें और स्टोर करने से पहले उन्हें अच्छी तरह सुखा लें। कटी हुई फ़सल को छाया में रखें और पानी की सही निकासी का ध्यान रखें। बाद के हफ़्ते में सिंचाई करने से बचें।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	जब फलियाँ बनने लगें, तो हल्की सिंचाई करके मिट्टी में नमी बनाए रखनी चाहिए। अगर फली छेदक कीट दिखाई दें, तो उनकी संख्या का पता लगाने के लिए फेरोमोन का इस्तेमाल करें; अगर संख्या ETL (नुकसान पहुँचाने वाले स्तर) से ज़्यादा हो, तो जैविक नियंत्रण के तरीके अपनाएँ। ये सभी काम साफ़ मौसम में किए जाने चाहिए और तेज़ हवाओं के दौरान इनसे बचना चाहिए। पक चुकी बाजरे की किस्मों की कटाई करें और स्टोर करने से पहले उन्हें अच्छी तरह सुखा लें। कटी हुई फ़सल को छाया में रखें और पानी की सही निकासी का ध्यान रखें। बाद के हफ़्ते में सिंचाई करने से बचें।
सोयाबीन	फसल की नियमित निगरानी करें और अगर तना मक्खी का प्रकोप दिखे, तो 700-800 लीटर पानी में 150 मिली क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 SC मिलाकर छिड़काव करें। छिड़काव साफ़ मौसम में करें और तेज़ हवा होने पर इससे बचें।
काला चना	फ़सल अभी शुरुआती बढ़त (वेजिटेटिव) के दौर में है, इसलिए नियमित निगरानी और खरपतवार हटाने की ज़रूरत है। फलियाँ बनने के समय मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सफ़ेद मक्खी की आबादी को केमिकल स्प्रे से कंट्रोल करना चाहिए। बाद के हफ़्तों में केमिकल स्प्रे करने से बचना चाहिए क्योंकि बारिश की वजह से यह बेकार हो सकता है। पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें।
मूँग	फ़सल अभी शुरुआती बढ़त (वेजिटेटिव) के दौर में है, इसलिए नियमित निगरानी और खरपतवार हटाने की ज़रूरत है। फलियाँ बनने के समय मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सफ़ेद मक्खी की आबादी को केमिकल स्प्रे से कंट्रोल करना चाहिए। बाद के हफ़्तों में केमिकल स्प्रे करने

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	से बचना चाहिए क्योंकि बारिश की वजह से यह बेकार हो सकता है। पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	रोपी गई फसल में हल्की गुड़ाई करें और जड़ों को ढकने के लिए मिट्टी का इस्तेमाल करें। फसल में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और आखिरी हफ़्ते में सिंचाई न करें।
गाजर	बीज अंकुरित होने के बाद नियमित रूप से खरपतवार निकालते रहना चाहिए और पौधों के बीच उचित दूरी बनाए रखनी चाहिए। पानी की निकासी की अच्छी व्यवस्था रखें और बाद के हफ़्तों में सिंचाई करने से बचें।
मूली	मूली की फसल में मिट्टी में नमी बनाए रखें और ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करें। पहली सिंचाई बुवाई के तुरंत बाद और दूसरी सिंचाई 3-4 पत्तियां निकलने पर करनी चाहिए। खेती-बाड़ी से जुड़े सभी काम साफ़ मौसम में किए जाने चाहिए।
बाकला	इस महीने में बुवाई की जा सकती है और बुवाई के तुरंत बाद मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई की जा सकती है। खेती-बाड़ी से जुड़े सभी काम साफ़ मौसम में किए जाने चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	15 दिनों के बाद बछड़ों को कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, जिंक, आयरन, आयोडीन और कॉपर जैसे तत्व नमक के मिश्रण या मिनरल ड्रॉप्स के रूप में खिलाने चाहिए।
भैंस	'फूट-रॉट' बीमारी से बचाव के लिए, जानवरों के खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोना चाहिए।
बकरा	ग्रामीण इलाकों में बकरियों को टेटनस टॉक्साइड के दो टीके लगाए जाने चाहिए - एक टीका एक महीने की उम्र में और दूसरा 5 महीने की उम्र में - ताकि नवजात मेमनों को टेटनस की बीमारी न हो।
भेड़	ग्रामीण इलाकों में भेड़ों को टेटनस टॉक्साइड के दो टीके लगाए जाने चाहिए—एक टीका एक महीने की उम्र में और दूसरा 5 महीने की उम्र में—ताकि नवजात मेमनों को टेटनस की बीमारी न हो।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

बाद के हफ़्ते में दुर्घटनाएँ हो सकती हैं और रोज़मर्रा के काम में रुकावट आ सकती है; भूस्खलन भी हो सकता है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

बेवजह यात्रा करने से बचें।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details